

**वार्तालाप-583 जयपुर, दिनांक 13.06.08**  
**Disc.CD No.583, dated 13.06.08 at Jaipur**  
**Extracts-Part-1**

**समय: 00.15-02.25**

**जिज्ञासु:** अभी आपने कहा था कि प्रजापिता विख का वर्सा देते हैं। इसका क्या मतलब?

**बाबा:** काहे का वर्सा?

**जिज्ञासु:** विख का।

**बाबा:** विख क्या? विष। शिव ज्योति बिन्दु है वो इस सृष्टि पर आता है तो राम-कृष्ण की आत्माओं के द्वारा ज्ञान का वर्सा देता है। ज्ञान का वर्सा देने वाली राम और कृष्ण की आत्माएं हैं या शिव की आत्मा है? तीन आत्माएं हैं - एक तो हीरो, एक हीरोईन और एक उनमें प्रवेश करने वाली शिव की आत्मा। ज्ञान कौन देता है? शिव देता है। तो राम, कृष्ण क्या देते हैं? अरे शिव ऊपर से आता है। राम-कृष्ण में प्रवेश करता है तो प्रवेश करने मात्र से ही उनका परिवर्तन हो जाता है क्या? वो अपनी चलाते हैं कि नहीं चलाते हैं? हाँ चलाते हैं। तो जो अपनी चलाते हैं तो शूटिंग कौनसी होती है? (जिज्ञासु: द्वापरयुग की) द्वापर, कलियुग की शूटिंग होती है तो विख का वर्सा देते हैं या नहीं देते हैं?

**Time: 00.15-02.25**

**Student:** Now you had said that Prajapita gives the inheritance of poison. What does it mean?

**Baba:** An inheritance of what?

**Student:** Of poison (*vikh*).

**Baba:** What poison (*vikh*)? Poison (*vish*). When the point of light Shiv comes in this world, then He gives the inheritance of knowledge through the souls of Ram and Krishna. Is it the souls of Ram and Krishna who give the inheritance of knowledge or is it the soul of Shiv? There are three souls – one is hero, one is heroine and one is the soul of Shiv which enters in them. Who gives knowledge? Shiv gives. So, what do Ram and Krishna give? *Arey*, Shiv comes from above. He enters in Ram and Krishna. So, are they transformed just by His entry? Do they act as per their own wishes or not? Hm? They do. So, what kind of shooting do those who act as per their own wishes perform? (Student: Of Copper Age) The shooting of Copper, Iron Age is performed. So, do they give the inheritance of poison or not?

चाहे राम की आत्मा हो, चाहे कृष्ण की आत्मा हो, चाहे कोई भी धर्मगुरु की आत्मा हो, कोई भी देहधारी धर्मगुरु हो, सब नीचे गिराने वाले हैं। उनको ऊपर उठाने वाला कौन है? एक शिवबाबा। वो भी शिवबाबा। बाबा तब कहा जाता है जब साकार में प्रवेश करे। तो ये बात समझ में नहीं आ रही? कि राम, कृष्ण की आत्माओं से भी विख का वर्सा मिलता है। शिवबाबा से क्या मिलता है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा) हाँ, ज्ञान का वर्सा मिलता है। शिवबाबा और कुछ नहीं देता है। क्या देता है आके? (सबने कहा - ज्ञान) ज्ञान ही तो देता है।

Whether it is the soul of Ram or the soul of Krishna or the soul of any religious guru, or any bodily religious guru, all of them cause downfall. Who makes them rise? One Shivbaba. That too Shivbaba. He is called Baba when He enters in corporeal. So, don't you understand that the souls of Ram and Krishna give the inheritance of poison, too? What is received from Shivbaba? (Student said something) Yes, the inheritance of knowledge is received. Shivbaba does not give anything else. What does He come and give? (Everyone said – Knowledge) He gives only knowledge.

**समय: 02.30-03.28**

**जिज्ञासु:** मुरली में बोला है चैतन्य में दोनों हाथों में झाड़ू लेके खड़ी है। चैतन्य में दोनों हाथों में झाड़ू लेके खड़ी है। दो झाड़ू कौन है चैतन्य?

**बाबा:** प्रकृति दोनों हाथों में झाड़ू लेकर खड़ी है। ठीक है तो दो आत्माएँ हैं, जो निमित्त बनती हैं - राइट हैंड और लेफ्ट हैंड के रूप में महाकाली की। महाकाली की सहयोगी हैं कि नहीं? अरे सहयोग देने वाली भुजाएं होंगी कि नहीं? महाकाली की सहयोग देने वाली भुजाएं नम्बरवार होंगी या नहीं? तो अक्वल नंबर राइट हैंड के रूप में और अक्वल नंबर लेफ्ट हैंड के रूप में कोई सहयोग देने वाली कोई होगी या नहीं होगी? होगी। बस। अब कौन होगी, वो तो पार्ट जब चलेगा तो प्रत्यक्ष हो जाएगा।

**Time: 02.30-03.28**

**Student:** It has been said in the Murli she is standing with brooms (*jhaaru*) in both the hands in living form (*chaitanya*). She is standing with brooms in both the hands in living form. What are the two brooms in living form?

**Baba:** Nature is standing with broom in both hands. It is correct; so there are two souls, which become instruments as right hand and left hand of Mahakali. Are they helpers of Mahakali or not? Arey, will there be helping hands or not? Will there be numberwise helping hands of Mahakali or not? So, will there be anyone who is helpful as number one right hand and number one left hand? There will be. That is all. Well, as regards who they are, that will be revealed when their part is played.

**समय: 03.30-04.25**

**जिज्ञासु:** बाबा, मुरली में बोला है कि संकल्पों से सृष्टि रची जाती है। लेकिन अगर, ये भी बोला है कि संकल्पों में कोई बात आती है तो कोई बात नहीं। वाचा में भी कोई बात नहीं लेकिन कर्मेन्द्रियों से नहीं होना चाहिए।

**बाबा:** कर्मेन्द्रियों से हो गया तब तो पाप चढ़ गया। सौ गुना पाप चढ़ गया। लेकिन संकल्प से सिर्फ शूटिंग हुई। पाप नहीं चढ़ा। वो शूटिंग हो गई। वो द्वापर, कलियुग में वहाँ फल देगी। यहाँ सौ गुना पाप तब चढ़ता है जब हम कर्मेन्द्रियों से भी विकर्म कर बैठते हैं। संकल्प-विकल्प तो आते ही रहते हैं। पूर्व जन्मों के अनुसार जो भी हमने पाप कर्म किये हैं, तो बुरे संकल्प उठते हैं। अच्छे कर्म किए हैं तो अच्छे संकल्प उठते हैं। रील घूमती ही रहती है। समय के अनुसार।

**Time: 03.30-04.25**

**Student:** Baba, it has been said in the Murli that the world (*srishti*) is created through thoughts (*sankalp*). But it has also been said that it does not matter if anything occurs at the level of thoughts. It does not matter if it occurs even at the level of words, but it should not happen through bodily organs.

**Baba:** If it happens through bodily organs then the sins will be accumulated. You accumulated hundred fold sins. But you performed only shooting through thoughts. You did not accumulate sins. That shooting was performed. It will give fruits there in the Copper Age, Iron Age. Here, we accumulate hundred fold sins when we commit sins through bodily organs. Good and bad thoughts keep on emerging. Bad thoughts emerge in accordance with the sins that we have performed in the past births. If you have performed good actions, then good thoughts emerge. The reel keeps on rotating as per the time.

**समय: 07.50-08.48**

**जिज्ञासु:** बाबा, बंगलौर का एक वार्तालाप था - 876. उसमें बाबा ने कहा है कि सिंधी नहीं पहचानेंगे। लेकिन जब यज्ञ शुरू हुआ था।

**बाबा:** वो जड़ सिंधी पहचानते हैं क्या?

**जिज्ञासु:** नहीं, ये सिंधी नहीं पहचानेंगे। तो उस समय तो यज्ञ में सारे ही सिंधी थे।

**बाबा:** सिंधियों में भी जो पुराने सिंधी हैं। पहचानते हैं? फिर?

**जिज्ञासु:** पर उस समय जब यज्ञ शुरू हुआ था तो सारे ही सिंधी थे।

**बाबा:** सारे ही सिंधी थे? सारे ही कैसे सिंधी थे?

**जिज्ञासु:** सिंध प्रदेश में ब्रह्मा बाबा, सेवकराम।

**बाबा:** प्रजापिता वहाँ बंगाल में था कि सिंधी था? उनकी दुकान कहाँ थी?

**जिज्ञासु:** दुकान तो वहाँ थी।

**बाबा:** तो फिर? धंधा ही उनका वहाँ था। इस रथ को कहाँ से पकड़ा?

**जिज्ञासु:** पूर्वी बंगाल से।

**बाबा:** फिर? न कि सिंध, हैदराबाद से। हाँ, और?

**Time: 07.50-08.48**

**Student:** Baba, there was a discussion in Bangalore – 876. In that Baba said – the Sindhis will not recognize (the Father). But when this *yagya* had started.

**Baba:** Do those inert Sindhis (i.e. Sindhis in a limited sense) recognize?

**Student:** No, these Sindhis will not recognize. So, at that time everyone was a Sindhi in the *yagya*.

**Baba:** Those who are the old Sindhis among the Sindhis. Do they recognize? Then?

**Student:** But at that time when the *yagya* had started, everyone was Sindhi.

**Baba:** Was everyone a Sindhi? How was everyone a Sindhi?

**Student:** Brahma Baba, Sevakram in Sindhi province.

**Baba:** Was Prajapita there in Bengal or was he a Sindhi? Where was his shop?

**Student:** His shop was there (in Bengal).

**Baba:** Then? His business was there. (It has been mentioned in an *Avyakta Vani* that) Where was this chariot adopted?

**Student:** From Eastern Bengal.

**Baba:** Then? Not from Sindh, Hyderabad. Yes, anything else?

### Extracts-Part-2

**समय: 08.50-09.20**

**जिज्ञासु:** और बाबा जब भारत का विभाजन हुआ था तो पंजाब और बंगाल का भी विभाजन हुआ।

**बाबा:** ठीक है।

**जिज्ञासु:** ये यज्ञ की दो विशेष आत्माओं का संबंध था उससे।

**बाबा:** ठीक है। हाँ।

**जिज्ञासु:** ब्रह्मा बाबा का भी तो सिंध से संबंध था। उसका विभाजन नहीं हुआ?

**बाबा:** हो गया ना।

**जिज्ञासु:** सिंध प्रदेश का।

**बाबा:** और क्या?

**जिज्ञासु:** कहाँ?

**बाबा:** जरासिंध को दो दिखाते हैं कि एक दिखाते हैं? जरासिंध दो था या एक था?

**Time: 08.50-09.20**

**Student:** And Baba when partition of India took place, the partition of Punjab and Bengal also took place.

**Baba:** It is correct.

**Student:** There was a connection of two special souls of the *yagya* with that.

**Baba:** It is correct. Yes.

**Student:** Brahma Baba was also connected with Sindh. It was not divided.

**Baba:** It was, wasn't it?

**Student:** The Sindh province.

**Baba:** What else am I talking about?

**Student:** How?

**Baba:** Is Jarasindh depicted to be two or one? Was Jarasindh two or one?

**समय: 09.30-10.50**

**जिज्ञासु:** बाबा, गीता में कृष्ण के लिए ज्यादा महिमा देते हैं और उनकी लीला भी बहुत ज्यादा दिखाई गई है। इसका रहस्य क्या है?

**बाबा:** इसका रहस्य है अज्ञानता।

**जिज्ञासु:** और उनके मुख में जो ब्रह्माण्ड दिखाया गया है इसका क्या अर्थ है?

**बाबा:** कृष्ण जहाँ दिखाया गया है वहाँ भगवान समझो। कृष्ण की बात नहीं है। सारी दुनिया का नक्शा किसके मुख में है? हाँ? भगवान के मुख में है। कृष्ण ने जो पार्ट बजाया अपने

प्राॅक्टिकल जीवन में उन्होंने सारी दुनिया को अपने बुद्धि में ग्रहण कर पाया क्या? फिर? भगवान की बात है। जहाँ भक्ति मार्ग में राम और कृष्ण की बात आती है, वहाँ भगवान को समझना चाहिए या राम कृष्ण को समझना चाहिए? भगवान को समझना चाहिए। रामायण में राम के चरित्र दिखा दिये। वो राम की बात थोड़ेही है। भगवान की बात है। गीता में कृष्ण की बात है। तो कृष्ण थोड़ेही है? कौन है? शिवबाबा है। भागवत् में भी चरित्र दिखाए हैं वो शिवबाबा के चरित्र हैं, शिवबाबा ने भगाया, शिवबाबा की ताकत से भागी या राम-कृष्ण की ताकत से भागी?

**Time: 09.30-10.50**

**Student:** Baba, Krishna is glorified more in Gita. And he is shown to have performed many acts. What is its secret?

**Baba:** Its secret is ignorance.

**Student:** And what is meant by the universe (*brahmaand*) that is depicted in his mouth?

**Baba:** Wherever Krishna has been depicted you should consider it to be God. It is not about Krishna. In whose mouth is the map of the entire world? Hm? It is in the mouth of God. In the part that Krishna played in his practical life, did he assimilate the whole world in his intellect? Then? It is about God. Wherever the topic of Ram and Krishna arises in the path of bhakti, should you consider it to be God or should you consider it to be Ram and Krishna? You should think of God. Ram's acts have been shown in Ramayana. It is not about Ram. It is about God. There is a mention of Krishna in Gita. So, is it Krishna in reality? Who is it? It is Shivbaba. Acts (of Krishna) have been shown in Bhagwat as well; are they the acts of Shivbaba? Did Shivbaba make them run away? Did they run away (from their homes) due to the power of Shivbaba or did they run away due to the power of Ram and Krishna?

**समय: 11.44-13.31**

**जिज्ञासु:** बाबा, अमरनाथ की गुफा में शंकरजी ने पार्वतीजी को कथा सुनाई। तो तोते ने कथा सुनी थी या कबूतरों ने सुनी थी?

**बाबा:** जिनको ज्ञान की कण्ठी पड़ी होती है वो ही कथा सुनते और सुनाते हैं। कबूतर तो गंद करते हैं वहाँ बैठ करके। अभी माउंट आबू में गंद कर रहे हैं या कथा सुन रहे हैं? कथा सुनने वाले तो कथा सुनके उड़ गये वहाँ से। ये बैठे हुए हैं इधर। ज्ञान की कण्ठी वाले तोते बैठे हुए हैं। तोते हैं। तोताराम नल पे नहीं बैठना।

**जिज्ञासु:** बाबा, अमरनाथ में इस समय कबूतर क्यों दिखाए जा रहे हैं?

**बाबा:** इस समय कबूतर क्यों हैं?

**जिज्ञासु:** कबूतर का जोड़ा है ना।

**बाबा:** कबूतर का जोड़ा इसीलिए है कि वो गंद करते हैं वहाँ मन्दिर के अन्दर ही। आवाज़ उनके मुँह से, ज्ञान की आवाज़ बाहर नहीं निकलती। अन्दर के अन्दर गुटुर गूँ करके रह जाते हैं। क्या करें बिचारे? क्या करें लोकलाज में बंधे हुए हैं। जैसे कुमारिका दादी ने कहा संदेश में कि पहले जब मैं साकार में थी तब तो लोकलाज का बंधन था। अभी तो लोकलाज का बंधन खलास हो गया। अब मैं असलियत जान गई हूँ।

**जिज्ञासु:** एडवांस पार्टी में आके।

**बाबा:** हाँ।

**Time: 11.44-13.31**

**Student:** Baba, Shankarji narrated a story to Parvatiji in the cave of Amarnath. So, did the parrot (*tota*) listen to the story or did the pigeons (*kabootar*) listen to the story?

**Baba:** Those who have the ring (*kanthi*) of knowledge (around their throat) listen to and narrate the story. Pigeons sit and produce dirt there. Are they producing dirt or listening to story now in Mount Abu? The listeners of the story listened to the story and flew away from there. These are sitting here. The parrots with the ring of knowledge around their throat are sitting here. These are parrots. (There is a story of a parrot sitting on the tap and repeating the statement of passers-by) Totaram do not sit on the tap.

**Student:** Baba, why are pigeons being shown now in Amarnath?

**Baba:** Why are there pigeons at this time?

**Student:** It is a pair of pigeons, isn't it?

**Baba:** There is a pair of pigeons because they produce dirt within the temple only. The sound, the sound of knowledge does not emerge from their mouth at all. The sound is stuck up in their throat – *gutur-gu*. What can those poor fellows do? What can they do? They are bound by public honour (*lok-laaj*). For example, Dadi Kumarika said in the (trance) message that earlier when I was in corporeal form, there was bondage of public honour. Now the bondage of public honour has gone. Now I have realized the truth.

**Student:** After coming to the Advance Party.

**Baba:** Yes.

**जिज्ञासु:** लेकिन भक्त लोग तो उस चीज़ को ज्यादा सत्य मान रहे हैं ना।

**बाबा:** किसको?

**जिज्ञासु:** कि भई कबूतरों को।

**बाबा:** भगत ही तो सत्य मानेंगे कि ज्ञानी मानेंगे?

**Student:** But the devotees accept that to be truer, don't they?

**Baba:** Whom?

**Student:** The pigeons.

**Baba:** The devotees will only consider it to be truth or will the knowledgeable persons believe it to be truth?

**समय: 17.25-18.25**

**जिज्ञासु:** बाबा, हमारे राष्ट्रीय गान में एक लाइन है - पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा, द्राविड उत्कल बंगा। तो पंजाब, सिंध, गुजरात और बंगाल - इन चार राज्यों से तो चार विशेष आत्माएं यज्ञ से संबंध रखती हैं।

**बाबा:** क्यों मराठा से नहीं निकलते हैं? मराठा से विशेष आत्माएं नहीं निकलती हैं? मराठा से तो माया की शुरुआत हुई है।

**जिज्ञासु:** मराठा उत्कल बंगा।

**बाबा:** हां, पहले बम्बई में पहले माया नगरी बम्बई की इंचार्ज कौन थी? हँ? कुमारका दादी। हाँ।

**Time: 17.25-18.25**

**Student:** Baba, there is a line in our National Anthem – Punjab, Sindh, Gujarat, Maratha, Dravid, Utkal, Banga. So, as regards Punjab, Sindh, Gujarat and Bengal – four special souls of these four states are related to the *yagya*.

**Baba:** Why? Don't they emerge from Maratha? Don't special souls emerge from Maratha? Maya has begun from Maratha only.

**Student:** Maratha, Utkal, Banga.

**Baba:** Yes, who was the incharge initially in Bombay, in the city of maya, i.e. Mumbai? Hm? Kumarika Dadi. Yes.

**जिज्ञासु:** और द्रविड, उत्कल?

**बाबा:** अरे ये सब देशों के नाम हैं। सभी देशों के नाम जो गिनाए जाते हैं वो कोई गलत थोड़ेही हैं?

**जिज्ञासु:** कुछ तो यज्ञ से संबंधित हैं।

**बाबा:** यज्ञ से तो सारी दुनिया का संबंध है।

**Student:** And what about Dravid, Utkal?

**Baba:** Arey, all these are names of countries (i.e. states of India). The names of all the countries that are enlisted are not wrong.

**Student:** They are related to the *yagya* to some extent.

**Baba:** The entire world is related to the *yagya*.

### Extracts-Part-3

**समय: 18.40-19.25**

**जिज्ञासु:** आगे चलकर राजस्थान के राजाएं निकलेंगे।

**बाबा:** हाँ। सिर्फ राजस्थान से राजाएं निकलेंगे या बेहद के राजस्थान भी है?

**जिज्ञासु:** बेहद भी है।

**बाबा:** फिर?

**जिज्ञासु:** बाबा, माउंट आबू हद में और बेहद में। बेहद में भी माउंट आबू है ना।

**बाबा:** बेहद गंद का पहाड़ नहीं है? हाँ, सारी दुनिया की गंदी-गंदी आत्माएं जाके इकट्ठी हो जाती हैं तो पहाड़ बन जाता है।

**Time: 18.40-19.25**

**Student:** In future the kings of Rajasthan will emerge.

**Baba:** Yes. Will only the kings emerge from Rajasthan or is there a Rajasthan in an unlimited sense as well?

**Student:** It is there in an unlimited sense as well.

**Baba:** Then?

**Student:** Baba, there is a Mount Abu in a limited sense as well as in an unlimited sense. There is a Mount Abu in an unlimited sense, isn't it?

**Baba:** Is it not a mountain of dirt in an unlimited sense? Yes, when dirty souls of the entire world gather, then it becomes a mountain.

**समय: 19.45-21.20**

**जिज्ञासु:** बाबा, जो आत्माएं भट्टी करने के लिए जाती हैं, भट्टी करने के लिए जाती हैं जो आत्माएं वो झूठ बोल जाती हैं। झूठ बोलती हैं। जो भट्टी के नियम हैं बाबा ने बना रखे हैं, माना हमारे खान-पान के जो नियम बना रखे हैं, उसमें झूठ बोल जाती हैं, झूठ बोल के चली जाती हैं।

**बाबा:** जैसा करेंगे वैसा पायेंगे।

**जिज्ञासु:** बाबा कहते हैं लेके जाने वाले पर भी दोष चढ़ता है।

**बाबा:** परख के ले जाईये।

**जिज्ञासु:** लेकिन वो आत्मा झूठ बोलती है। फिर संपर्क में आने वाली 2-3 आत्माओं से भी वेरीफाय करा लेते हैं। उनको भी वो झूठ बोल देती हैं। तो फिर लेके जाने वाले पर दोष चढ़ता है क्या?

**बाबा:** बोलने दो उसे। लिखा लो। उनके बोलने के ऊपर क्यों? सौ बार बक्का एक बार लिखा। उनसे लिखवा लो ना।

**Time: 19.45-21.20**

**Student:** Baba, the souls that go for *bhatti* speak lies to go there. They speak lies. They speak lies in regard to the rules of *bhatti* that Baba has framed, i.e. the rules related to food and go there.

**Baba:** As you sow, so shall you reap.

**Student:** Baba says – the one who takes them is also guilty.

**Baba:** Check them before taking.

**Student:** But that soul speaks lies. Then we verify from 2-3 souls who are in their contact. They tell lies to them as well. Then, does the person who takes them (for *bhatti*) stand guilty?

**Baba:** Let him speak. Take it in writing from him. Why do you believe what he says? Hundred oral statements are equal to one written statement. Ask him to give it in writing.

**जिज्ञासु:** लिखवाने से पाप नहीं चढ़ेगा?

**बाबा:** तुम्हारे ऊपर काहे को? तुम तो देखो खुद लिख कर दिया। हमारे ऊपर पाप काहे का?

**जिज्ञासु:** लिखने के बाद पाप नहीं।

**बाबा:** हाँ। मुँह बोला तो वैसे ही। अच्छा हमने नहीं बोला। लिखे हुए को कैसे कह देंगे हमने नहीं लिखा?



**जिज्ञासु:** भट्टी से आने के बाद, वहाँ देखते हैं फिर बता देते हैं, हमने झूठ बोल के भट्टी करी है।

**बाबा:** तो फिर प्राप्ति क्या होगी? तुमने झूठ बोल के भट्टी की है। तो झूठा कितने दिन फाउन्डेशन चलेगा? फाँ हो जाओगे।

**Student:** Will we not stand guilty if we make them write?

**Baba:** Why will you stand guilty? (You can tell him) Look, you have given in writing yourself. Why will I accumulate sin?

**Student:** We will not accumulate sin after they give in writing.

**Baba:** Yes, the oral statement is just like that. (He may say) OK, I did not say so. How can he deny the written statement that he did not write?

**Student:** After coming from *bhatti*; they see there and then tell that they have done *bhatti* by speaking lies.

**Baba:** Then what will be their attainment? You have done *bhatti* by speaking lies. So, how long will the foundation of lies stand? You will vanish.

**समय: 30.30-32.10**

**जिज्ञासु:** बाबा, बेसिक में जो मुरली पढ़ी जाती है उसमें लिखा होता है - पहले प्रश्न फिर उत्तर, फिर ये वरदान, स्लोगन, धारणा के प्वाइंट्स। इस तरह लिखा होता है। तो जब ब्रह्मा बाबा मुरली चलाते थे तो क्या इस तरह मुरली चलती थी - धारणा के प्वाइंट्स, स्लोगन, और वरदान या सीधे वो शिवबाबा उनके मुख से बोलते जाते थे?

**बाबा:** बाबा, सीधे-सीधे बोलते जाते थे।

**जिज्ञासु:** ये आज जो मुरली में लिखा हुआ है।

**बाबा:** ये तो मुरली मुख से निकलती है क्या? मुरली किसे कहते हैं?

**जिज्ञासु:** बाबा ने जो ब्रह्मा मुख से।

**बाबा:** जो डायरेक्ट मुख से निकले वो मुरली।

**जिज्ञासु:** ये जो इस तरह लिखा हुआ है - वरदान।

**बाबा:** ये तो इनकी मनमत है। चाहे जैसे जेंज कर लो। जैसे शास्त्रों को चेंज करके सारा मटियामेट कर दिया वैसे अब मुरलियों को चेंज करके सारा मटियामेट कर दिया।

**Time: 30.30-32.10**

**Student:** Baba, the Murli that is read in basic knowledge, it is written – first question, then answer, then this blessing, slogan, points for inculcation. It is written like this. So, when Brahma Baba used to narrate Murli, did he used to narrate Murli in this sequence – Points for *dharana*, slogan, and blessing or did Shivbaba used to start narrating through His mouth directly?

**Baba:** Baba used to go on narrating directly.

**Student:** Whatever has been written in today's Murli.

**Baba:** Does this Murli emerge from the mouth? What is called Murli?

**Student:** Whatever Baba narrated through the mouth of Brahma.

**Baba:** Whatever emerges directly from the mouth is Murli.

**Student:** It is written like this – blessing.

**Baba:** This is the opinion of their mind (*manmat*). They have changed it as they wish. Just as the scriptures have been changed and ruined completely, similarly, now the Murlis have been changed and ruined entirely.

**जिज्ञासु:** इन लोगों ने मुरलियों में प्वाइंट डाल रखे हैं ये अपनी मनमत से डाल रखे हैं?

**बाबा:** बाबा ने कहा किसी मुरली में?

**जिज्ञासु:** जो आप पढ़ते हो उसमें तो ऐसा नहीं है।

**बाबा:** हम पढ़ते हैं तो क्या हम माउंट आबू की वाणी नहीं पढ़ते?

**जिज्ञासु:** बाबा आते ही कोई प्रश्न थोड़े ही पूछेंगे बच्चों से?

**बाबा:** फिर?

**जिज्ञासु:** लेकिन उसमें लिखा हुआ है।

**बाबा:** देहधारी गुरुओं की बातें पढ़ने की क्या जरूरत है जो देहधारी गुरुओं ने अपनी तरफ से डाला हुआ है? कि वेद ब्रह्मा के मुख से निकले। तो जो ब्रह्मा के मुख से निकली हुई बात है वो ओरिजिनल है या मनुष्यों ने जो हेराफेरी की है वो ओरिजिनल है। हमें ओरिजिनल चीज़ को पकड़ना है या डुप्लिकेट चीज़ को पकड़ना है?

**Student:** These people have inserted points in the Murlis. Have they inserted them according to the opinion of their mind?

**Baba:** Has Baba said in any Murli (to add such things)?

**Student:** It is not mentioned in the text that you read.

**Baba:** If I read, is it not a Vani published from Mount Abu?

**Student:** Will Baba put questions to the children as soon as he comes?

**Baba:** Then?

**Student:** But it is written in that.

**Baba:** Is there any need to read the versions of bodily gurus which have been added by the bodily gurus? Vedas have emerged from the mouth of Brahma. So, are the versions that emerged from the mouth of Brahma original or whatever manipulation has been done by the human beings is original? Should we catch/grasp the original thing or the duplicate thing?

#### Extracts-Part-4

**समय: 32.15-36.46**

**जिज्ञासु:** बाबा, आज की मुरली में जैसे बताया क्या कि क्या विजयमाला के मणके बाप को, बाप के प्रत्यक्षता के बाद ही नम्बरवार बनेंगे?

**बाबा:** हाँ, बिल्कुल।

**जिज्ञासु:** तो पहले बाप प्रत्यक्ष होंगे फिर उसके बाद ही विजयमाला निकलेगी।

**बाबा:** विजयमाला का जो मणका है वो ही प्रत्यक्ष करेगा बाप को कि कोई दूसरा प्रत्यक्ष करेगा? नारायण की मुख्य सहयोगी कौन है?

**जिज्ञासु:** लक्ष्मी।

**बाबा:** जो सबसे मुख्य प्रोमिनेंट सहयोगी होगा वो ही तो राजा के साथ बैठेगा। वो निकलेगी तभी वो सहयोग पूरा होगा, संगठन कम्प्लीट होगा, विजयमाला की शुरुआत होगी। रुद्रमाला के मणके विजयमाला में पिरोने की शुरुआत हुई ना।

**जिज्ञासु:** 2012 में बाबा ये शुरुआत हो जाएगी?

**बाबा:** ये तो कहीं नहीं कहा गया कि 2012 में माला बनना शुरू हो जावेगी।

**Time: 32.15-36.46**

**Student:** Baba, it was narrated in today's Murli that the beads of the *Vijayamala* will be formed number wise only after the revelation of the Father?

**Baba:** Yes, definitely.

**Student:** So, first the Father will be revealed and only after that the *vijaymala* will emerge.

**Baba:** Will the bead of *vijaymala* reveal the Father or will anyone else reveal? Who is the main helper of Narayan?

**Student:** Lakshmi.

**Baba:** The main prominent helper will sit with the king. Only when she emerges that the help will be complete, the gathering will be complete, and the *vijaymala* will begin. It is the beginning of the threading of the beads of *Rudramala* into the *vijaymala*, isn't it?

**Student:** Baba, will this begin in 2012?

**Baba:** It has not been said anywhere that the formation of rosary will begin in 2012.

**जिज्ञासु:** भाई ने प्रश्न किया 2012.

**बाबा:** भाई ने क्या प्रश्न किया? वो तो विनाश की बात कर रहे थे 2012 की। हाँ।

**जिज्ञासु:** तो बाबा ये भी तो बताया था ना कि ब्रह्मा ने 14 साल, ब्रह्मा ने तपस्या, ब्रह्मा का जो पार्ट चलता 14 साल।

**बाबा:** हाँ, नम्बरवार। ब्रह्मा का 16 साल, 14 साल। 36 से लेकर 1951-52 तक ब्रह्मा प्रत्यक्ष हुआ। उससे पहले ब्रह्मा का नाम निशान भी नहीं था यज्ञ में। ब्रह्माकुमारी विद्यालय का नाम-निशान था ही नहीं। पहला-पहला सेन्टर खुला है कमलानगर दिल्ली में। तब लिखा गया ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय। तब साबित हुआ कि हाँ कोई ब्रह्मा भी है, कोई ब्रह्माकुमारियाँ भी हैं। तो 15-16, 14 से 16 साल तक लग गए ब्रह्मा को प्रत्यक्ष होने में। ऐसे ही, सन 69 में ब्रह्मा बाबा ने शरीर छोड़ दिया। और वहाँ से लेकरके 76 तक ये 8-9 साल लगे प्रत्यक्ष होने में दूसरी मूर्ति को। ऐसे ही, वो विष्णु की मूर्ति है, उसको भी टाईम लगता है। वो कार्य शुरू हो चुका है। लेकिन वो कार्य उनका अपने कुल में शुरू होगा या सूर्यवंशियों में शुरू होगा? राधा है कौनसे वंश की है? (जिज्ञासु: चंद्रवंश) चंद्रवंश की। तो चन्द्रवंशियों में पहले प्रत्यक्ष होगी या सूर्यवंशियों को पता चल जाएगा? हाँ? कहाँ प्रत्यक्ष होगी? (जिज्ञासु - चन्द्रवंशियों में) तो चन्द्रवंशियों में 2008 के बाद प्रत्यक्षता होने लगेगी।

**Student:** The brother had asked about 2012.

**Baba:** What was the question that the brother raised? He was talking about destruction in 2012. Yes.

**Student:** So, Baba, it was also told that Brahma did *tapasya* for 14 years, Brahma's part is played for 14 years.

**Baba:** Yes, numberwise. 16 years, 14 years of Brahma. Brahma's part goes on for 14 years.

**Baba:** Yes, numberwise. 16, 14 years of Brahma. Brahma was revealed from (19)36 to 1951-52. Before that there was no name or trace of Brahma in the *yagya*. There was no name or trace of *Brahmakumari Vidyalay* at all. The first center was opened in Kamalanagar, Delhi. Then it was written *Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalay*. Then it was proved that yes, there is a Brahma as well; there are Brahmakumaris as well. So, it took 15-16 years, 14-16 years for the revelation of Brahma. Similarly, Brahma Baba left his body in (19)69. And from that time till (19)76, it took 8-9 years for the second personality to be revealed. Similarly, it takes time for the personality of Vishnu as well. That task has started. But will that task start in his own clan or in the Sun Dynasty? To which clan does Radha belong? (Student: The Moon Dynasty) To the Moon Dynasty (*Chandravansh*). So, will she be revealed first among the *Chandravanshis* or will the *Suryavanshis* know? Hm? Where will she be revealed? (Student: Among the *Chandravanshis*) So, the revelation will start among the *Chandravanshis* in 2008.

**जिज्ञासु:** घबराहट होने लग गई। उनको भी पता तो चल गया है।

**बाबा:** हाँ, जी। हीरे निकलते हैं हीरे, अफ्रीका में। दुनिया में सबसे ज्यादा हीरों की पैदाइश होती है अफ्रीका में।

**जिज्ञासु:** कहते हैं - ठीक है तो लक्ष्मी आ जाएगी तब देखेंगे।

**बाबा:** हाँ, तुम देखते रहो। 77 था सम्पूर्णता वर्ष 1977. 1977 से लेकरके पाँच साल प्लानिंग बुद्धि। फाइव इयर प्लान। वो फाइव इयर प्लान जब पूरा होता है तो शंकर की मूर्ति ब्राह्मणों की दुनिया में क्लीयर हो जाती है। ऐसे ही जो चन्द्रवंश की मुख्य मूर्ति है राधा की, विष्णु की तीसरी मूर्ति वो भी 2000 से उसका फाउन्डेशन डलना शुरू होता है। 2008, 09, 10, 11, 12, ये भी 5 इयर प्लान है।

**जिज्ञासु:** फाइव इयर प्लान चल रहा है ये।

**बाबा:** हाँ, जी। वो भी प्रत्यक्ष हो जाएगी। अभी आधीन है, फिर क्या हो जाएगी? स्वाधीन हो जाएगी। अभी दीदी-दादियों की चिरोरी करनी पड़ती है।

**Student:** They have started fearing. They have come to know, too.

**Baba:** Yes. Diamonds emerge in Africa. The highest production of diamonds in the world is in Africa.

**Student:** They say – OK, we will see when Lakshmi comes.

**Baba:** Yes, you continue to see. 1977 was the year of perfection. It was a planning intellect for five years from 1977. Five year plan. When that five year plan is over, then the personality of Shankar becomes clear in the world of Brahmins. Similarly, the foundation of the main personality of the Moon Dynasty, i.e. Radha, the third personality of Vishnu begins to be laid from 2000. 2008, 09, 10, 11, 12 – this is also a five year plan.

**Student:** This is a five year plan that is going on.

**Baba:** Yes. That will also be revealed. Now she is under them; then what will happen? She will become independent. Now she has to serve the Didis, Dadis.

**समय: 36.50-37.12**

**जिज्ञासु:** बाबा, झारखण्ड का मतलब क्या होता है?

**बाबा:** झारखण्ड? झाड़ का खण्ड है, हिस्सा है छोटा सा। झाड़ नहीं.....।

**Time: 36.50-37.12**

**Student:** Baba, what is meant by Jharkhand (the name of a State in Eastern India)?

**Baba:** Jharkhand? It is a small part (*khand*) of the tree (*jhaar*). It is not the entire tree...

**समय: 37.15-38.20**

**जिज्ञासु:** बाबा, जो आत्माएं भट्टी करने से पहले ही बाप से मिल लेती हैं, उनको बाप का बच्चा कैसे माना जाएगा?

**बाबा:** उनको खुशी कैसे मिल जाएगी? पैदा होंगे तभी मिलेंगे, तब खुशी होगी या पैदा होने से पहले ही खुशी हो जाएगी? कोई बच्चे ऐसे भी होते हैं गर्भ में जो सात महीने में ही जन्म ले लेते हैं। छह-छह महीने में भी जन्म ले लेते हैं।

**जिज्ञासु:** एकदम कमजोर बच्चे पैदा होते हैं वो।

**बाबा:** हाँ।

**जिज्ञासु:** छह सात महीने में जो पैदा होता है उसकी कोई गारंटी नहीं होती कि जिन्दा रहे।

**बाबा:** जिन्दा रहे। हाँ। जो तौर-तरीका है उसको अपनाना चाहिए ना। कोई भी इंस्टीट्यूशन है, इंस्टीट्यूशन के नियमों का पालन करना चाहिए पूरा।

**जिज्ञासु:** कल्प में कभी उनकी ऐसी कोई शूटिंग हो गई जो आगे चलके साढ़े छह, सात महीने में जन्म लेंगे।

**बाबा:** हाँ, लेते ही है ना। जो दुनिया में होता है वो यहाँ सब बेहद में होता है।

**Time: 37.15-38.20**

**Student:** Baba, how will the souls which meet the Father before doing *bhatti* be considered as the Father's children?

**Baba:** How will they get the joy? Will they get the (real) joy when they are born, when they meet or will they get the joy before being born? There are many such children also in the womb who are born within seven months. They take birth even after six months.

**Student:** They are born as completely weak children.

**Baba:** Yes.

**Student:** There is no guarantee that the child which is born after six-seven months (of pregnancy) will survive.

**Baba:** Will survive. Yes. You should adopt the procedure, shouldn't you? One should follow the rules of the institution completely.

**Student:** They must have performed some such shooting that they will take birth in six and a half months, seven months in future.

**Baba:** Yes, they do take, don't they? Whatever happens in the world happens here in an unlimited sense as well.

**समय: 39.50-40.44**

**जिज्ञासु:** बाबा, कई आत्माएं शरीर में प्रवेश करती हैं, कई अच्छा काम करती हैं, किसी का दुःख दूर करना, कई जाती आती हैं दुःख दूर करने के लिए।....जैसे बताया जाता है कि माना आती हैं।

**बाबा:** ब्रह्मा बाबा की सोल तमोप्रधान कहें या सतोप्रधान कहें? तमोप्रधान? किसी को दुःख दिया? (जिज्ञासु - नहीं) फिर? शरीर रहते-रहते भी किसी को दुःख नहीं दिया। और अभी प्रवेश करके भी किसी को दुःख तो नहीं दे रही। ऐसे ही सूक्ष्म शरीरधारी जो भी भूत-प्रेत आत्माएं होती हैं उनमें भी दो तरह के होती हैं - एक अच्छी और एक बुरी प्रकृति की। एक होती हैं ईविल सोल।

**Time: 39.50-40.44**

**Student:** Baba, many souls enter in the body; many (such souls) perform good tasks; removing someone's sorrows; many come and go to remove sorrows...for example, it is said that they come.

**Baba:** Will the soul of Brahma Baba be called *tamopradhan* (impure) or *satopradhan* (pure)? *Tamopradhan*? Did it give sorrow to anyone? (Student: No) Then? It did not give sorrow to anyone while being in its body. And it is not giving sorrow to anyone even now after entering (in others' bodies). Similarly, the subtle bodied souls, the ghosts and spirits are also of two kinds – One kind is good and one kind is bad-natured. One kind of souls is evil souls.

### Extracts-Part-5

**समय: 41.40-42.58**

**जिज्ञासु:** बाबा कोर्स चल रहा था तो कोर्स में उसमें जिज्ञासु ने एक प्रश्न किया कि जो भगवान है वो सौ साल के लिए यहाँ आता है संगम पर। तो फिर इस सृष्टि को कैसे संभालता है? मैंने कहा सृष्टि को तो संभालने में क्या हो गया? जैसे वहाँ करता है वैसे यहाँ भी काम करता ही है।

**बाबा:** भगवान यहाँ आ जाता है तो सृष्टि को कैसे संभालता है?

**जिज्ञासु:** भगवान तो 5000 वर्ष में ऊपर ही बैठता है। सौ साल के लिए संगमयुग पर आता है।

**बाबा:** ऊपर बैठ के क्या सृष्टि संभालता है। ऊपर बैठके क्या सृष्टि संभालता है? (जिज्ञासु-उनका मानना यही है) उनके मानने से क्या होता है?

**Time: 41.40-42.58**

**Student:** Baba, during course a student asked – God comes here in the Confluence Age for hundred years. So, then how does He take care of this world? I said – What is the difficulty in taking care of the world? He performs His task here just as He manages it there.

**Baba:** When God comes here how does He take care of the world?

**Student:** God sits above for 5000 years. He comes in the Confluence Age for hundred years.

**Baba:** Does He take care of the world sitting above? Does He take care of the world sitting above? (Student: He believes so). Does it matter if he believes so?

**जिज्ञासु:** उसका क्या जवाब दिया जाए? हमने तो यही कहा कि संगमयुग पर आकर के अभी जो पढ़ाई पढ़ा रहा है, उसी के हिसाब से।

**बाबा:** कुम्हार चक्का चलाता है। तो हर समय चलाता ही रहता है या एक बार डंडा घुमाया और बैठ गया आराम से?

**जिज्ञासु:** एक बार चलाया और बैठ जाता है।

**बाबा:** ऐसे ही भगवान भी एक बार ज्ञान का डंडा घुमाया सृष्टि चक्र में और सृष्टि चक्र 5000 साल घूमता रहता है। वो तो हर समय बैठने की क्या दरकार?

**जिज्ञासु:** मैंने कहा बैटरी डिस्चार्ज होती है आत्मा रूपी। उसको चार्ज करके बाबा चले जाते हैं। आप समान बना देते हैं।

**बाबा:** बस, हां।

**Student:** What is the reply that we should give him? I said – It happens in accordance with the knowledge that He teaches now after coming in the Confluence Age.

**Baba:** A potter rotates the wheel. So, does he go on rotating all the time or does he rotate the stick once and then sit comfortably?

**Student:** He rotates it once and then sits.

**Baba:** Similarly, God also rotates the stick of knowledge once in the world cycle and then the world cycle keeps on rotating for 5000 years. So, is there any need to sit all the time?

**Student:** I said that the battery like soul is discharged. Baba makes it charged and departs. He makes it like Himself.

**Baba:** That is all. Yes.

**समय: 44.30-46.35**

**जिज्ञासु:** बाबा, बाप बड़े बेटे को राजाई देते हैं। तो पहले असुर पैदा हुए वो बड़े थे। देवताएं बाद में पैदा हुए। वो छोटे थे। फिर बाबा देवता यानी छोटों को क्यों सपोर्ट करता है? बड़े बेटों को राजाई नहीं देते।

**बाबा:** यज्ञ के आदि में, यज्ञ के शुरुआत में राजाई किसको मिली, यज्ञ की?

**जिज्ञासु:** ब्रह्मा बाबा की।

**बाबा:** फिर?

**जिज्ञासु:** उनसे तो असुर पैदा हुए असुर बने ना।

**बाबा:** फिर? किसके हाथ में यज्ञ की सत्ता आ गई?



**जिज्ञासु:** लेकिन बाप तो देवताओं को सपोर्ट करते हैं ना।

**Time: 44.30-46.35**

**Student:** Baba, a father gives kingship to his eldest son. So, the demons were born first; they were elder. Deities were born later. They were younger. Then why does Baba support the deities, i.e. the younger ones? Why doesn't He give kinship to the elder sons?

**Baba:** Who got the kingship in the beginning of the *yagya*?

**Student:** Brahma Baba.

**Baba:** Then?

**Student:** Demons were born through him, were they not?

**Baba:** Then? In whose hands was the power of the *yagya* transferred?

**Student:** But the Father supports the deities, doesn't he?

**बाबा:** बाप तो शिव शंकर भोलेनाथ है। वो सबको सपोर्ट करता है कि एक को करता है? असुरों को भी वरदान देता है, देवताओं को भी देता है। जो पुरुषार्थ करे। जो अपन को आत्मा समझे, जो तपस्या करे। अपन को आत्मा समझना यही तपस्या है। और वो असुर तपस्या करें तो असुर ले जाएं। देवता तपस्या करें तो देवता ले जाएं। भगवान तो किसी के साथ पार्शियालिटी करता नहीं है। प्रैक्टिस है। जो प्रैक्टिस करे सो ले जाए। हाँ, विष्णु सपोर्ट करते हैं देवताओं को। और ब्रह्माजी? ब्रह्माजी ने हमेशा वरदान किसको दिया? वो असुरों को वरदान देते हैं। आजकल की माताएं भी क्या कर रही हैं मोस्टली? हैं? (जिज्ञासु - छोटी का साथ देती है) फिर? जो ज्यादा शैतान, छोटे होते हैं, छोटे सो छोटे उन्हीं को सपोर्ट करते हैं।

**Baba:** The Father is Shiv Shankar Bholeynath. Does He support everyone or one? He gives boons to the demons as well as the deities, whoever makes efforts, to those who consider themselves to be souls, to those who do *tapasya*. To consider yourself to be soul is *tapasya*. And if those demons do *tapasya*, then the demons can take. If the deities do *tapasya*, then the deities can take. God does not do partiality with anyone. It is a practice. The one who practices can take. Yes, Vishnu supports the deities. And Brahmaji? Whom did Brahma give boons always? He gives boons to the demons. What are today's mothers doing mostly? Hm? (Student: They support the younger children) Then? They support the one who is naughtier, younger, the young ones are naughtier.

**समय: 46.40-48.00**

**जिज्ञासु:** बाबा, बेसिक वालों को कोर्स कर रहा था एडवांस का। बेसिक वालों को एक दिन कोर्स कर रहा था एडवांस का। किसी ने बताया कि बेसिक में ये बताया कि मैं एक आत्मा ज्योतिर्बिन्दु हूँ।

**बाबा:** बेसिक में आपने बताया कि मैं ज्योतिर्बिन्दु हूँ।

**जिज्ञासु:** लेकिन एडवांस में ये विशेषता है कि मैं कौनसी आत्मा हूँ। ये आत्मा का पता चलता है। उस आत्मा ने ये सवाल किया कि जब ये पता चल गया कि मैं कौनसी आत्मा बनने वाली हूँ फिर पुरुषार्थ करने की जरूरत ही नहीं है।



**Time: 46.40-48.00**

**Student:** Baba, I was giving advance course to those who follow the basic knowledge. I was one day giving advance course to those who follow the basic knowledge. Someone said – It has been told in basic (knowledge) that I am a soul, a point of light.

**Baba:** You told in basic (knowledge) that I am a point of light.

**Student:** But there is a specialty in advance (knowledge) that what kind of a soul I am. A soul comes to know of this. That soul raised a question that if we come to know as to what kind of soul I am going to become, then there is no need to make efforts at all.

**बाबा:** ये कोई बात ही नहीं हुई। जब ये पता चल जाए कि मैं कौनसी आत्मा हूँ तब ही तो उसको परीक्षा आनी चाहिए। हाँ, तब परीक्षा आनी चाहिए कि तुम हो कि नहीं हो। अपना रिअलाइजेशन करो। रिअलाइज़ करो - हैं या नहीं हैं?

**जिज्ञासु:** रिअलाइज़ करने के लिए पुरुषार्थ करना है।

**बाबा:** पुरुषार्थ करो। जगदम्बा जगदम्बा बनने के लिए पुरुषार्थ करो। वैष्णवी वैष्णवी बनने के लिए पुरुषार्थ करो। शंकर शंकर बनने के लिए करो। अष्टदेवों में जो पहली मूर्ति है वो पहली मूर्ति बनने का पुरुषार्थ करो। नंबर जब डिकलेयर हो तभी तो असली परीक्षा आती है सामने।

**Baba:** This is not an issue. He should face the tests only when he comes to know as to which soul he is. Yes, then he should face the test whether you are (this soul) or not. Realize yourself. Realize yourself – Am I or am I not (this soul)?

**Student:** We have to make efforts to realize.

**Baba:** Make efforts. Jagdamba should make efforts to become Jagdamba. Vaishnavi should make efforts to become Vaishnavi. Shankar should make efforts to become Shankar. The first personality among the eight deities should make efforts to become the first personality. They face the real test only when the number is declared.

**समय: 48.10-49.40**

**जिज्ञासु:** बाबा, कन्या जब जन्म लेती है तो कहते हैं लक्ष्मी आई। और बाप भी कन्याओं-माताओं को ऊपर उठाने आते हैं, उत्थान करने। लेकिन इस समय जब बाप से काम कर रहे हैं उनको ऊपर उठाने का। लेकिन बाहरी दुनिया में देख रहे हैं कन्याओं की बड़ी दुर्गति है।

**बाबा:** बड़ी दुर्गति है। जब बाप आए हैं तो कन्याओं को वर्सा मिलना नहीं शुरू हुआ बाहर की गवर्मेन्ट से? जब बाप आए हैं, जबसे बाप ने नियम निकाला कि कन्याएं हो, चाहे माताएं हो, चाहे भाई हों, सबको वर्सा मिलेगा। ऐसे ही दुनियावी गवर्मेन्ट ने भी ये नियम बनाया। क्या? पहले ये नियम नहीं था गवर्मेन्ट में कि माताओं को भी वर्सा मिलना चाहिए। कन्याओं को भी वर्सा मिलना चाहिए। अब ये नियम बन गया।

**Time: 48.10-49.40**

**Student:** Baba, when a virgin is born, then people say that Lakshmi has come. And the Father also comes to uplift virgins and mothers. But, at this time when the Father is performing the task of uplifting them, it being observed in the outside world that the virgins are in a very bad condition.

**Baba:** In a bad condition. Ever since the Father has come, did the virgins not start getting inheritance from the outside government? When the Father has come, ever since the Father has framed the rule that everyone will get inheritance, whether it is virgins, whether it is mothers, whether it is brothers. Similarly, the worldly government has framed this rule. What? Earlier, the rule did not exist in the government that mothers should also get inheritance; the virgins should also get inheritance. Now this rule has been framed.

**जिज्ञासु:** लेकिन फिर भी कन्याएं-माताएं हिम्मत नहीं कर पाती हैं।

**बाबा:** तो यहां हिम्मत कर रही हैं क्या? यहाँ भी तो हिम्मत नहीं कर रही हैं।

**जिज्ञासु:** अगर वो हिस्सा मांगती हैं तो रिश्तों में खटास आ जाती है।

**बाबा:** वो कुछ भी आ जाए। लड़ाई है तो लड़ाई है। अपना अधिकार लेना चाहिए। नाते रिश्ते काहे के? संबंध होते हैं सुख के लिए होते हैं न कि दुःख देने के लिए होते हैं। सुख देते हैं तो संबंध हैं नाते रिश्ते हैं। दुःख देने वाले हैं तो नाते रिश्ते काहे के?

**Student:** But yet virgins, mothers are unable to show courage.

**Baba:** So, are they showing courage here? They are not showing courage here as well.

**Student:** If they demand a share (in property) then it leads to strains in relationships.

**Baba:** Whatever may happen. If it is a fight (for justice) it is a fight. You should obtain your right. What for are the relationships? Relationships are for happiness, not for giving sorrow. If someone gives happiness, it is a relationship. If someone gives sorrow, then can it be called a relationship?

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.